RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2024)

हमारी विरासत

हवा महल

https://tourism.rajasthan.gov.in/hawa-mahal

हवा महल गुलाबी शहर जयपुर में एक महल है और लाल और गुलाबी बलुआ पत्थर से बना है। यह राजधानी जयपुर का एक प्रतिष्ठित स्थल है और सिटी पैलेस के किनारे पर स्थित है, जिसका विस्तार ज़नाना या महिलाओं के कक्षों तक है।

हवा महल शब्द का अर्थ है "हवाओं का महल"। जयपुर के महाराजा सवाई जय सिंह के पोते महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने 1799 में इस महल का निर्माण कराया था। यह बिना नींव के बना है और अपने असाधारण वेंटिलेशन के लिए जाना जाता है। हवा महल को अनोखा माना जाता है क्योंकि इसमें कई छोटी खिड़कियाँ और बालकनी हैं जो एक छत्ते की तरह लगती हैं।

महल का डिज़ाइन लाल चंद उस्ताद ने बनाया था। इसका पांच मंज़िला बाहरी हिस्सा छत्ते जैसा है, जिसमें 953 छोटी खिड़कियाँ हैं जिन्हें झरोखा कहा जाता है और जिन्हें जटिल जालीदार काम से सजाया गया है। जालीदार डिज़ाइन का मूल उद्देश्य शाही महिलाओं को बिना देखे नीचे सड़क पर मनाए जाने वाले रोज़मर्रा के जीवन और त्योहारों को देखने की अनुमति देना था। इस वास्तुशिल्प विशेषता ने ठंडी हवा को अंदर आने दिया, जिससे गर्मियों में उच्च तापमान के दौरान पूरा क्षेत्र अधिक सुखद हो गया। कई लोग हवा महल को सड़क के दृश्य से देखते हैं और सोचते हैं कि यह महल का अगला भाग है, लेकिन यह पीछे का भाग है।

महल एक पाँच मंज़िला पिरामिड के आकार की इमारत है जिसे भगवान कृष्ण के मुकुट के आकार में बनाया गया था क्योंकि महाराजा सवाई प्रताप सिंह भगवान कृष्ण के अनन्य भक्त थे। इमारत की वास्तुकला इस्लामी और राजपूत विरासत के शानदार मिश्रण से मिलती जुलती है। महल की पहली मंजिल को शरद मंदिर के रूप में जाना जाता है जहाँ महल के शरद ऋतु समारोह होते हैं। दूसरी मंजिल रतन मंदिर है जिसमें शानदार कांच का काम है। ऊपर की तीन मंजिलों - विचित्र मंदिर, प्रकाश मंदिर और हवा मंदिर में कोई सीढ़ियाँ नहीं हैं, बल्कि महल में राजपूत महिलाओं की पालकियों के लिए केवल रैंप हैं। विचित्र मंदिर महाराजा द्वारा भगवान कृष्ण की पूजा का स्थान है जबकि प्रकाश मंदिर दोनों ओर से छत के खुलने की ओर जाता है।

हवा महल में प्रवेश एक शाही दरवाजे के माध्यम से सिटी पैलेस की तरफ से है और इसका रखरखाव राजस्थान सरकार के पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाता है। हवा महल 87 फीट ऊंचा है और हर झरोखा एक छोटी सी खिड़की है जिसमें एक महिला बैठ कर तीज, गणगौर और अन्य सड़कों पर होने वाले जुलूसों को आनंद और संतुष्टि के साथ देख सकती है।

झरोखों को इस तरह से बनाया गया है कि पूरे साल इस जगह पर ठंडी हवा आती रहे। महल के अंदरूनी हिस्से में हर कक्ष के बीच में फव्वारे हैं जो ठंडक का एहसास कराते हैं और झरोखों से हल्की हवा आती है।

हवा महल हर दिन सुबह 9 बजे से शाम 4.30 बजे तक खुला रहता है व छात्रों और वयस्कों के लिए प्रवेश शुल्क लिया जाता है। सुबह-सुबह हवा महल में जाना सबसे अच्छा होता है, जब सूरज की किरणें खिड़कियों से कमरों में प्रवेश करती है और महल सुनहरी सूरज की रोशनी से जगमगा उठता है।

महत्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

माननीय प्रधानमंत्री ने 45वें प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसंबर 2024 को एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के माध्यम से 45वीं प्रगति बैठक की अध्यक्षता की। प्रगति एक सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन प्रणाली है और इसकी बैठक प्रत्येक महीने के चौथे बुधवार को एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के माध्यम से भारत सरकार के सभी सचिवों और राज्यों के सभी मुख्य सचिवों के साथ माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की जाती है। 45वीं प्रगति समीक्षा बैठक के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ शिकायत निवारण, परियोजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की। राजस्थान के मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजस्थान सचिवालय, जयपुर में एनआईसी वीसी स्टूडियो के माध्यम से प्रगति वीसी में शामिल हुए। तकनीकी सहायता, समन्वय और निगरानी एनआईसी वीसी डिवीजन राजस्थान द्वारा की गई।

माननीय मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) का शुभारंभ किया

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, श्री भजन लाल शर्मा ने 14 दिसंबर 2024 को उदयपुर के गांधी ग्राउंड स्टेडियम में एनआईसी राजस्थान द्वारा विकसित आईसीडीएस-डब्ल्यूसीडी के राजपोषण पोर्टल के माध्यम से एबीपीएस के द्वारा 5000/- रुपये के अतिरिक्त भुगतान के लिए "प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना" का शुभारंभ किया। इस अवसर पर, 70,000 लाभार्थियों को सफलतापूर्वक 10.50 करोड़ रुपये ऑनलाइन हस्तांतरित किए गए (पहले बच्चे के जन्म पर प्रत्येक को 1500/- रुपये)। इस योजना में, शारीरिक रूप से विकलांग लाभार्थियों को पहले एएनसी पर 1000/- रुपये, पहले बच्चे के जन्म पर 1500/- रुपये और पहले बच्चे के टीकाकरण के पूरा होने पर 1000/- रुपये की अतिरिक्त राशि मिलेगी। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने रुपये की पहली किस्त भी जारी की। एनआईसी द्वारा विकसित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के ओजस पोर्टल के माध्यम से "लाडो प्रोत्साहन योजना" (एलपीवाई) के एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 2500/- रुपये की राशि प्रदान की गई। एनआईसी राजस्थान की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य टीम ने एलपीवाई के लिए भुगतान प्रणाली विकसित की और राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में इसे ओजस पोर्टल के साथ एकीकृत किया।

राजस्थान में "बीएफसी प्रक्रिया, एसएनए स्पर्श और ग्रीन बजट" पर कार्यशाला

वित्त विभाग, राजस्थान द्वारा ग्रीन बजट पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न विभागों के एफए और एचओडी के लिए एसएनए-स्पर्श और बजट प्रक्रियाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रक्रिया एनआईसी राजस्थान द्वारा विकसित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) एप्लिकेशन का हिस्सा है। सत्र की अध्यक्षता वित्त सचिव (बजट) श्री देबाशीष प्रुस्ती ने की। प्रस्तुति श्री बृजेश किशोर शर्मा निदेशक (बजट), श्रीमती अमिता शर्मा अतिरिक्त निदेशक (आईएफएमएस) और श्री प्रहलाद कुमार जाट, वैज्ञानिक 'डी', एनआईसी जयपुर ने दी। आईएफएमएस माइक्रोसर्विस आधारित समाधान है जो पूरक बजट के साथ आवश्यकताओं के आधार पर बजट का ऑनलाइन अनुमान, तैयारी और वितरण प्रदान करता है। बीएफसी प्रक्रिया में चालू वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमानों और अगले वित्तीय वर्ष के बजट अनुमानों के लिए सभी बजट नियंत्रण अधिकारियों से बजट अनुमान और तैयारी गतिविधियां शामिल हैं। पहली बार, राज्य के सभी सरकारी विभागों में ग्रीन बजट आकलन की एक नई अवधारणा के बारे में जानकारी दी गई। एसएनए-स्पर्श में केंद्र प्रायोजित योजनाओं और भुगतान प्रणाली से संबंधित वित्तीय प्रबंधन की समयबद्ध प्रक्रियाओं को शामिल किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री का लाइव कार्यक्रम व जनजातीय गौरव दिवस का राज्य स्तरीय समारोह

जनजातीय गौरव दिवस (भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष) का राज्य स्तरीय समारोह 15 नवंबर 2024 को बांसवाड़ा जिला मुख्यालय में आयोजित किया गया। माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान, श्री भजन लाल शर्मा ने समारोह में भाग लिया और बिहार के जमुई से माननीय प्रधान मंत्री द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के लाइव उद्घाटन समारोह से ऑनलाइन जुड़े। एनआईसी जिला केंद्र बांसवाड़ा ने वीसी डिवीजन एनआईसी मुख्यालय और जिला डीओआईटी विभाग के समन्वय से माननीय पीएम के लाइव कार्यक्रम और बांसवाड़ा में माननीय सीएम के दौरे के लिए सफलतापूर्वक तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया। तकनीकी सहायता के अलावा, 100 एमबीपीएस की 2-तरफ़ा मुख्य लीज लाइन कनेक्टिविटी और आर.एस.डब्ल्यू.ए.एन की एक बैकअप लीज लाइन कनेक्टिविटी के संबंध में जिला प्रशासन, जिला बीएसएनएल कार्यालय और जनजातीय प्रशासनिक विभाग (टीएडी) के साथ समन्वय किया।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2024)

महत्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

प्रतापगढ़ जिले में "डिजिटल सशक्तिकरण एवं साइबर जागरूकता" अभियान

एनआईसी प्रतापगढ़ जिला केंद्र ने डिजिटल जागरूकता अभियान के माध्यम से "डिजिटल सशक्तिकरण और साइबर जागरूकता" कार्यक्रम द्वारा जिला प्रशासन के समन्वय से एक डिजिटल पहल की। अभियान की शुरुआत 29 अगस्त 2024 को जिला कलेक्टर की उपस्थिति में राजीविका क्लस्टर प्रबंधकों व अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र के आयोजन से हुई। पहले चरण में, कामकाजी लोगों, बेरोजगार युवाओं, सरकारी अधिकारियों आदि लगभग 2000 प्रतिभागियों को डिजिटल रूप से जागरूक किया गया। दूसरे चरण में ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स और संसाधन व्यक्ति (स्कूल शिक्षकों) की मदद से बहु-स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करके 28 से 30 नवंबर 2024 तक कक्षा 9वीं से 12वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए 3 दिवसीय मेगा अभियान चलाया गया। 300 स्कूलों में 650 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से लगभग 40,000 प्रतिभागियों को डिजिटल रूप से जागरूक किया गया। हितधारकों को डिजिटलीकरण के लाभ/ हानि, साइबर अपराध और विभिन्न नागरिक सेवाओं जैसे - डिजीलॉकर, मतदाता हेल्पलाइन, ई-ट्रांसपोर्ट, पहचान पोर्टल, राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल, भूमि रिकॉर्ड, पीएम-किसान पोर्टल, उमंग, जन-सूचना पोर्टल, डिजिटल ई-भुगतान आदि के बारे में जागरूक किया गया। वर्तमान साइबर अपराधों जैसे डिजिटल गिरफ्तारी और ब्लैकमेलिंग, ओटीपी घोटाला, ई-मेल और एसएमएस प्रलोभन लिंक आदि के बारे में विस्तार से बताया गया।

एनआईसी हनुमानगढ़ द्वारा विकसित मानस ई-आरोग्य पोर्टल

https://hanumangarh.raj.nic.in/drugspledge

जिला प्रशासन हनुमानगढ़ ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक अभियान शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य एक सुरक्षित, पारदर्शी और कुशल प्रणाली से जिले के मनोरोग केंद्रों में दवा की अधिक मात्रा, नुस्खे का दुरुपयोग और अनियमित दवा वितरण को समाप्त करना है। एकीकृत नशीली दवाओं के दुरुपयोग की निगरानी और नियंत्रण प्रणाली (मानस ई-आरोग्य पोर्टल) को एनआईसी जिला केंद्र, हनुमानगढ़ द्वारा ओपन सोर्स तकनीक - PHP और MySQL का उपयोग करके डिजाइन और विकसित किया गया है। विशिष्ट रोगी-आईडी, डुप्लिकेट प्रिस्क्रिप्शन को रोकती है, जबकि रियल टाइम डेटा ट्रैकिंग सटीक रोगी रिकॉर्ड और दवा स्टॉक प्रबंधन सुनिश्चित करती है। परियोजना की शुरुआत ऑनलाइन प्रतिज्ञा मॉड्यूल से हुई, जिसने पोर्टल पर लगभग एक लाख प्रतिज्ञाएँ दर्ज की हैं। 5 अक्टूबर 2024 को लॉन्च होने के बाद से इस प्रणाली ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बदल दिया है। पहले, मरीज़ एक ही दिन में अलग-अलग क्लीनिक से कई नुस्खे प्राप्त कर सकते थे, जिससे दवा की अधिक मात्रा और दुरुपयोग होता था। एकीकृत नशीली दवाओं के दुरुपयोग की निगरानी और नियंत्रण प्रणाली ने रोगियों को बिना दोहराव के आवश्यक दवाएँ प्राप्त करने, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को कम करने और अब नियंत्रित दवा वितरण सुनिश्चित करने से स्वास्थ्य सेवा में क्रांति ला दी है। यह प्रणाली विस्तृत रोगी इतिहास रखती है, जिससे डॉक्टर पिछले नुस्खों की समीक्षा कर सकते हैं और उचित अनुवर्ती कार्रवाई कर सकते हैं। यह तंत्र सुसंगत और सुरक्षित रोगी उपचार सुनिश्चित करता है। रियल टाइम ट्रैकिंग दवा स्टॉक की कमी को रोकती है, जिससे जनता का विश्वास बढ़ता है। जिला कलेक्टर द्वारा निर्देशित व जिला प्रशासन के ध्यान ने इन सुधारों को संस्थागत रूप दिया है, जिससे स्केलेबल हेल्थकेयर गवर्नेंस के लिए एक मॉडल स्थापित हुआ है।

राजस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया गया

एनआईसी राजस्थान में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। 28 अक्टूबर 2024 को एनआईसी मुख्यालय द्वारा संचालित और एसआईओ श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एनआईसी राजस्थान में राजस्थान राज्य केंद्र के अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ वीसी के माध्यम से सतर्कता और सत्यनिष्ठा की शपथ ली गई। इसके अलावा, कई अधिकारियों ने सी.वी.सी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई-सत्यनिष्ठा की शपथ भी ली। एनआईसी राजस्थान जिला केंद्रों और विभिन्न परियोजना स्थानों के अधिकारियों ने भी शपथ ली और ऑनलाइन व्याख्यान में भाग लिया।

ऑन-साइट संपत्ति पंजीकरण शिविरों के लिए ई-पंजीकरण सॉफ्टवेयर

https://epanjiyan.rajasthan.gov.in/

राजस्थान सरकार द्वारा बजट घोषणा के अनुसार, यदि स्थानीय निकाय, कॉलोनी डेवलपर्स, बिल्डर्स व प्रॉपर्टी डीलर 20+ प्रॉपर्टी दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए शिविर आयोजित करते हैं और 7 दिन पूर्व सूचना देते हैं, तो उप-पंजीयक छुट्टियों के दिन भी शिविर स्थल पर जाएंगे और बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन संपत्ति पंजीकरण कार्य करेंगे। इस प्रक्रिया को NIC राजस्थान ई-पंजीकरण सॉफ्टवेयर द्वारा शिविरों की व्यवस्था करने वालो के ऑनलाइन पंजीकरण के साथ सुगम बनाया गया। शिविरों के आयोजन करने वाले मेजबान व नागरिकों की सुविधा हेतु जिलों में शिविर आयोजित किए गए। वर्ष 2024 के दौरान कुल 183 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 6250 से अधिक दस्तावेज पंजीकृत किए गए।

राजस्थान में नागरिक पंजीकरण प्रणाली (पहचान) कार्यशाला

https://pehchan.raj.nic.in/

राजस्थान के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा 20 दिसंबर 2024 को जयपुर में पहचान पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है, जिसमें पंजीकरण में प्रगति की समीक्षा की गयी और रजिस्ट्रार को पोर्टल में नई पहलों के बारे में जागरूक किया जाएगा। पहचान जन्म, मृत्यु, मृत जन्म और विवाह के लिए एनआईसी राजस्थान द्वारा विकसित एकीकृत पोर्टल है और इसे 11 वर्षों से अधिक समय से सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा रहा है। कार्यशाला में जिला रजिस्ट्रार, ब्लॉक अधिकारी, रजिस्ट्रार, उप-रजिस्ट्रार, जनगणना कार्यों के अधिकारी और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री अमित अग्रवाल, वैज्ञानिक-'एफ' ने पहचान पोर्टल पर विस्तृत प्रस्तुति दी और प्रतिभागियों के साथ तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने पंजीकरण डेटा की सटीकता पर जोर दिया जो आरजीआई-सीआरएस, यूआईडीएआई, आरजीडीपीएस, केंद्रीय पेंडेंसी डैशबोर्ड और विभिन्न सरकारी लाभार्थी योजनाओं सहित कई एकीकृत प्रणालियों में परिलक्षित होता है । उन्होंने समय पर पंजीकरण और प्रमाण पत्र पर डिजिटल हस्ताक्षर के साथ-साथ लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने पर जोर दिया।

विशेष आयोजनों पर एक नजर

26 नवंबर 2024 को एनआईसी राजस्थान में संविधान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र, विभिन्न परियोजना स्थानों और राजस्थान के सभी एनआईसी जिला केंद्रों में हमारे संविधान की प्रस्तावना पढ़ने की गतिविधि आयोजित की गई। एनआईसी के सभी कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एनआईसी राजस्थान के नेटवर्क और वीसी डिवीजन के समन्वय से माननीय प्रधानमंत्री के "एलआईसी बीमा सखी" उद्घाटन समारोह के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को एनआईसी-राजस्थान के कुछ जिला केंद्रों द्वारा समन्वय, तकनीकी सहायता और निगरानी। "एलआईसी बीमा सखी योजना" के उद्घाटन के दौरान राजस्थान से भाग लेने वाली साइटों में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर और अजमेर शामिल हैं।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन 9 से 11 दिसंबर 2024 तक जयपुर प्रदर्शनी कन्वेंशन सेंटर, सीतापुरा, जयपुर में किया गया। MeitY के तहत NIC ने समिट में भाग लिया और SIO राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के समन्वय में NIC IT उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए अपना स्टॉल स्थापित किया।

29 अक्टूबर 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डाक-विभाग के प्रधानमंत्री रोजगार मेला कार्यक्रम के लिए अजमेर, जयपुर और जोधपुर एनआईसी जिला केंद्रों द्वारा समन्वय व निगरानी के साथ पूर्ण आईसीटी सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, सीआरपीएफ परिसर में आयोजित 23 दिसंबर 2024 के माननीय प्रधानमंत्री रोजगार मेला कार्यक्रम को अजमेर व जोधपुर जिला केंद्रों द्वारा तकनीकी समर्थन दिया गया।

साइबर सुरक्षा सलाह

AI-संचालित अपराध जागरूकता

साइबर अपराधी फ़िशिंग ईमेल, नकली वेबसाइट और वॉयस फ़िशिंग (विशिंग) सहित अधिक विश्वसनीय घोटाले बनाने के लिए AI का उपयोग करते हैं। AI आपके संचार पैटर्न का विश्लेषण करके ऐसे संदेश तैयार करता है जो व्यक्तिगत और वैध लगते हैं, जिससे धोखाधड़ी का पता लगाना कठिन हो जाता है। यह पारंपरिक घोटाले का पता लगाने के तरीकों को दरकिनार करते हुए, भरोसेमंद व्यक्तियों का प्रतिरूपण करने के लिए डीप फ़ेक वीडियो या ऑडियो भी बना सकता है।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2024)

त्रेमसिक प्रोजेक्ट – राजपोषण 2.0

https://rajposhan.rajasthan.gov.in/rajposhan/

ICDS Dashboard NIC राजस्थान द्वारा विकसित राजपोषण 2.0 पोर्टल में एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) - महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) के अंतर्गत विभिन्न योजनाएं शामिल हैं।

50	305	2202	62146	62095	51
District	Projects	Sectors	Aanganwadi	Main Aanganwadi	Mini Aanganwadi

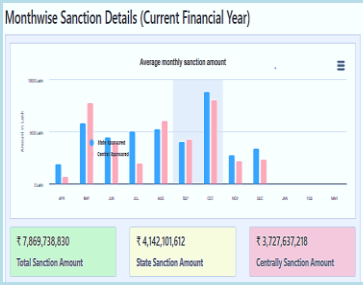

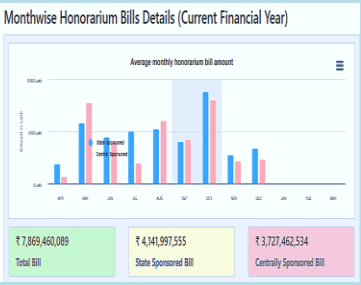

1. डीबीटी के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मानदेय और प्रोत्साहन बिल भुगतान

- डिजिटल रूप से सत्यापित स्वीकृति के साथ डीबीटी के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए ऑनलाइन मानदेय और प्रोत्साहन बिल भुगतान प्रणाली।
- एलएस (लेडी सुपरवाइजर) द्वारा अनुमोदित उपस्थिति के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना-अधिकारी) द्वारा हस्ताक्षरित स्वीकृति।
- राजपोषण सीडीपीओ द्वारा सत्यापित स्वीकृति के अनुसार बिल तैयार करता है।
- हर महीने डीबीटी के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को 80 करोड़+ वितरित की गई है।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए पारदर्शी प्रणाली जिसमें आधिकारिक रिकॉर्ड और भुगतान विवरण उनके हाथ में है।

2. इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना (आईजीएमपीवाई)

- आईजीएमपीवाई राजस्थान सरकार की प्रमुख योजना है, जिसे राजस्थान की दूसरी बार गर्भवती महिलाओं को नकद लाभ देने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- आईजीएमपीवाई के विभिन्न चरणों में दूसरे बच्चे पर माँ को डीबीटी के माध्यम से 6000/- रुपये का मातृत्व लाभ हस्तांतरित करना।
- जन-आधार संख्या के आधार पर डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खाते में राशि हस्तांतरित की गई है।
- जन आधार डीबीटी के माध्यम से 1.39 लाख लाभार्थियों को 1.73 बिलियन से अधिक राशि वितरित की गई है।

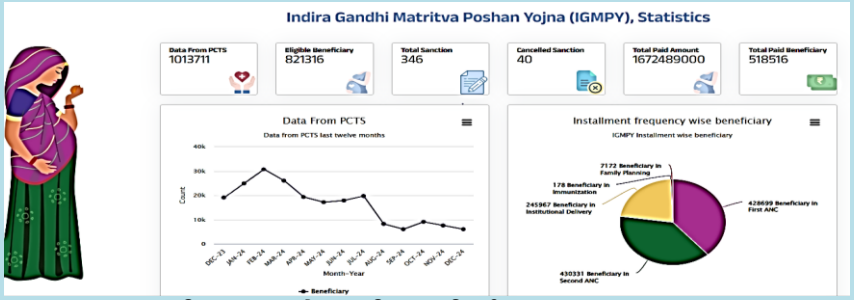

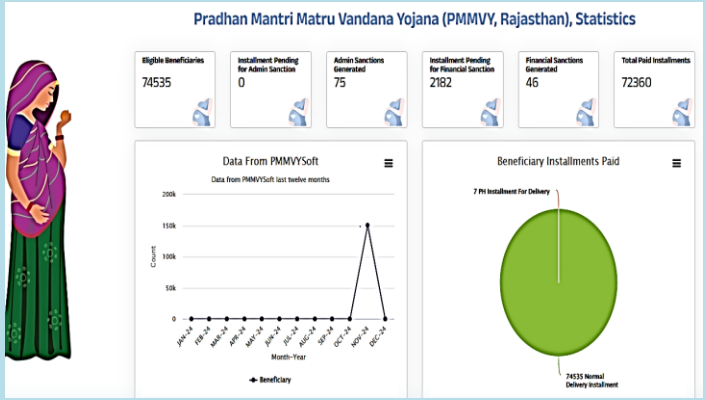

3. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)

- राजपोषण पोर्टल को पहली और दूसरी किस्त प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का डेटा प्राप्त करने के लिए पीएमएमवीवाई सॉफ्ट (एनआईसी दिल्ली, डब्ल्यूसीडी) के साथ एकीकृत किया गया है।
- पीएमएमवीवाई योजना में, राजस्थान राज्य निधि से 1500 रुपये का अतिरिक्त भुगतान एबीपीएस (आधार आधारित भुगतान प्रणाली) के माध्यम से पीएमएमवीवाई सॉफ्ट लाभार्थियों को किया जाता है, जिन्हें पहली किस्त पहले ही मिल चुकी है।
- नीचे दिए गए ब्रेकअप के अनुसार एबीपीएस के माध्यम से पीएमएमवीवाई सॉफ्ट के शारीरिक रूप से विकलांग लाभार्थियों को 3500 रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया जाता है -
  - 1 सितंबर 2024 से एएनसी तिथि के आधार पर पहली किस्त का भुगतान प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई सॉफ्ट लाभार्थियों को 1000 रुपये का भुगतान किया जाएगा।
  - अतिरिक्त रु 1500/- का भुगतान 1 सितंबर 2024 से डिलीवरी की तारीख के आधार पर किया जाएगा।
  - 1 सितंबर 2024 से 14वें सप्ताह के टीकाकरण की तारीख के आधार पर पीएमएमवीवाई सॉफ्ट के दूसरे किस्त के लाभार्थियों को 1000/- रुपये का भुगतान किया जाएगा।

4. उड़ान: राजस्थान सरकार द्वारा राज्य की 10-45 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं और महिलाओं को स्वास्थ्य स्वच्छता प्रदान करने के लिए उड़ान योजना की घोषणा की गई है।

- इस योजना के तहत, सभी पात्र बालिकाओं और महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरण किया जा रहा है।
- लाभार्थियों का पंजीकरण पारिवारिक जन आधार या व्यक्तिगत जन आधार के आधार पर "राज आंगन" मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाता है।
- व्यक्तिगत जन आधार के आधार पर "राज आंगन" मोबाइल ऐप के माध्यम से सैनिटरी नैपकिन वितरण।

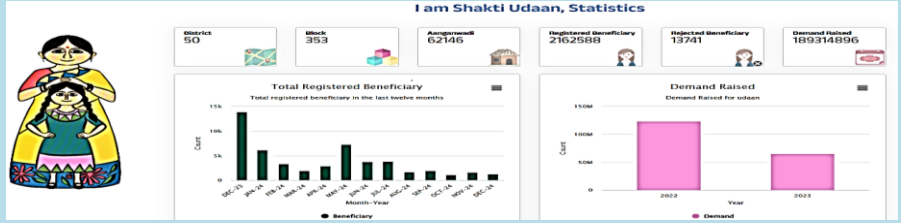

5. राज आंगन मोबाइल ऐप: राज आंगन मोबाइल ऐप आईसीडीएस के लिए विकसित एंड्रॉइड आधारित मोबाइल ऐप है। इस ऐप द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपनी प्रोफ़ाइल देख सकती हैं और अपनी पे-स्लिप डाउनलोड कर सकती हैं।

6. पोषण: पोषण मॉड्यूल राज पोषण पोर्टल के मूल उद्देश्य को पूरा करता है और निम्नलिखित को कवर करता है

- आंगनवाड़ियों में पौष्टिक भोजन वितरण प्रणाली को बेहतर बनाना।
- माँ और बच्चों की पोषण और स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करना।
- मृत्यु दर, रुग्णता, कुपोषण की घटनाओं को कम करना।

पोषण के लाभार्थियों में शामिल हैं –

- गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएँ।
- 6 महीने से 3 साल का शिशु
- 3 साल से 6 साल का शिशु
- 11 से 14 साल की लड़कियाँ

प्रयुक्त प्रौद्योगिकी

राजपोषण एप्लीकेशन को ओपन सोर्स तकनीक में विकसित किया गया है, जिसमें फ्रंटएंड स्तर पर अपाचे 2.4.6 (रेड हैट एंटरप्राइज लिनक्स), PHP 7.2.35 तथा बैकएंड में PostgreSQL 9.6.24 का उपयोग किया गया है।

राज पोषण
Integrated Child Development Services (ICDS)

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Oct 24	Nov 24	Dec 24	
1	DBT through Pay Manager	23081233	14497528	11066117	48644878
2	DILRMP ROR	6232317	5819540	6987501	19039358
3	Shala Darpan	5279737	3583046	2157382	11020165
4	IFMS - Rajkosh Challans	1246769	1197090	1318419	3762278
5	eGras	1077241	1042860	1140765	3260866
6	IFMS - Rajkosh Bills	544430	381390	421563	1347383
7	Pay Manager Other Bills	222221	169432	197477	589130
8	Registration and Stamps	208236	185089	221778	615103
9	E-Transport Vehicle Registration	194436	288307	89791	572534
10	E-Transport Driving License	58053	62198	62084	182335

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (अक्टूबर से दिसम्बर 2024)

प्रौद्योगिकी वार्ता : ई-साइन

SHRI PREM SHANKAR CHOUBISA, Scientist-E, Rajasthan State Centre

परिचय : इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर बनाने की पारंपरिक प्रक्रिया में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 के तहत लाइसेंस प्राप्त प्रमाणन प्राधिकरण (सीए) द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) की आवश्यकता होती है। डीएससी जारी करने से पहले, सीए को हस्ताक्षरकर्ता की पहचान और पता सत्यापित करना होगा। इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर बनाने के लिए निजी कुंजी एक हार्डवेयर क्रिप्टोग्राफिक टोकन में संग्रहीत की जाती है, जो एक बार उपयोग करने वाला उपकरण है। यह प्रक्रिया, जिसमें व्यक्तिगत पहचान सत्यापन, कागजी दस्तावेजीकरण और भौतिक टोकन शामिल हैं, बड़ी आबादी के लिए स्केलेबल नहीं है, खासकर भारत जैसे देश के लिए। पूरी तरह से कागज रहित नागरिक सेवाओं को सक्षम करने और डिजिटल हस्ताक्षरों को बड़े पैमाने पर अपनाने की सुविधा के लिए, एक सरल, अधिक कुशल समाधान की आवश्यकता है। ईसाइन एक ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर सेवा प्रदान करके इस आवश्यकता को संबोधित करता है।

ई-साइन : इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर सेवा एक डिजिटल समाधान है जो उपयोगकर्ताओं को भौतिक डिजिटल हस्ताक्षर डोंगल की आवश्यकता के बिना इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों पर आसानी से और सुरक्षित रूप से हस्ताक्षर करने की अनुमति देता है। यह सेवा पहचान सत्यापन के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन या वन-टाइम पासवर्ड (OTP) जैसे ई-केवाईसी (इलेक्ट्रॉनिक नो योर कस्टमर) प्रमाणीकरण विधियों का लाभ उठाकर प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है।

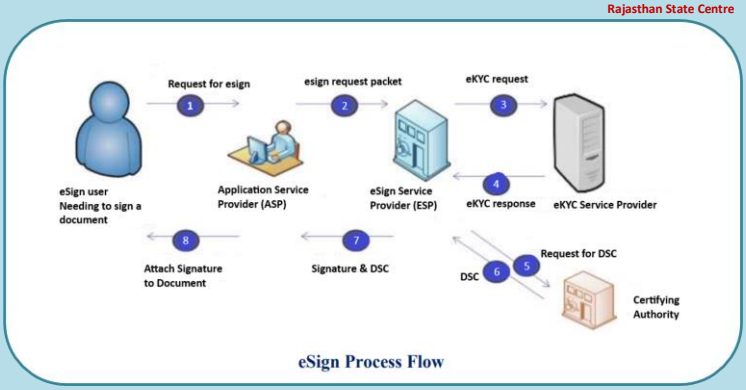

eSign Process Flow

ई-साइन कैसे काम करता है : अंतिम उपयोगकर्ता आधार जैसी किसी पहचान के साथ अनुरोध करता है, वह अनुरोध एप्लिकेशन सेवा प्रदाता द्वारा स्वीकार किया जाता है। एप्लिकेशन सेवा प्रदाता इस अनुरोध को ई-साइन सेवा प्रदाता को भेजता है। ई-साइन सेवा प्रदाता हैश के लिए कुंजी जोड़ी बनाता है और अनुरोध को प्रमाणन प्राधिकरण को भेजता है। प्रमाणन प्राधिकरण हैश सत्यापन के साथ ई-साइन सेवा प्रदाता को अनुरोध भेजता है। ई-साइन सेवा प्रदाता फिर दस्तावेज़ पर डिजिटल हस्ताक्षर करता है और हस्ताक्षरित दस्तावेज़ को अंतिम उपयोगकर्ता को वापस भेजता है।

सेवा के मुख्य बिंदुओं में शामिल हैं :

- उपयोगकर्ता कागज़-आधारित अनुप्रयोगों और भौतिक हस्ताक्षरों के माध्यम से डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (DSC) प्राप्त करने की पारंपरिक प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए, दस्तावेज़ों पर तुरंत डिजिटल हस्ताक्षर कर सकते हैं।
- एप्लिकेशन सेवा प्रदाता (ASP) अपने प्लेटफ़ॉर्म में eSign सेवा को एकीकृत कर सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ता सीधे अपने अनुप्रयोगों के भीतर दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।
- ई-साइन सेवा के बैकएंड में कुंजी जोड़े बनाना और प्रमाणन प्राधिकरण द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र जारी करना शामिल है।
- उपयोगकर्ता कंप्यूटर और मोबाइल फ़ोन जैसे उपकरणों पर एक सरल इंटरफ़ेस के माध्यम से अपना इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर लागू करता है।

ई-साइन के लाभ :

1. लागत, समय की बचत और उपयोगकर्ता की सुविधा में सुधार
2. सत्यापन योग्य हस्ताक्षर और हस्ताक्षरकर्ता
3. लाइसेंस प्राप्त CA द्वारा प्रबंधित कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त
4. गोपनीयता संबंधी चिंताओं का समाधान
5. सरल हस्ताक्षर सत्यापन
6. लघु वैधता प्रमाणपत्र
7. आधार ई-केवाईसी आधारित प्रमाणीकरण
8. अनिवार्य आधार आईडी
9. बायोमेट्रिक या ओटीपी (वैकल्पिक रूप से पिन के साथ) आधारित प्रमाणीकरण
10. एप्लिकेशन के साथ लचीला और तेज़ एकीकरण
11. व्यक्ति, व्यवसाय और सरकार के लिए उपयुक्त
12. संपूर्ण ऑडिट ट्रेल के साथ अखंडता
13. उपयोग के बाद कुंजियों का तुरंत विनाश, कहीं भी कुंजी भंडारण नहीं

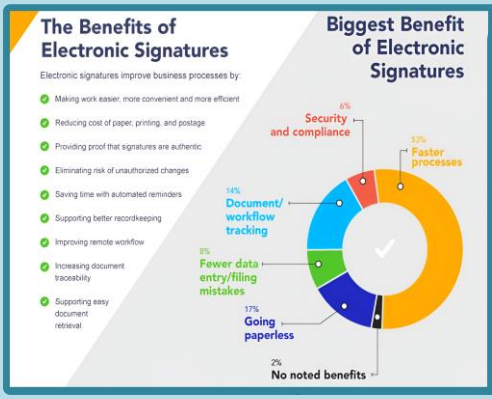

एनआईसी-राजस्थान की कुछ प्रमुख परियोजनाओं में मोबाइल ओटीपी का उपयोग करके ई-साइन का उपयोग किया गया है।

1. पहचान – जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण प्रणाली
2. आई.एफ.एम.एस (IFMS)
   - सिविल पेंशन प्रणाली
   - कार्य लेखा निगरानी प्रणाली
   - कर्मचारी प्रबंधन प्रणाली
3. चिकित्सा
   - राजहेल्थ पोर्टल
   - ओजस पोर्टल
4. ई-धरती पोर्टल (DILRMP)

Published By

संरक्षक
श्री जे. के. वर्मा, एस. आई. ओ. राजस्थान

Editorial Board

श्री मुकेश कुमार झा, वैज्ञानिक-'एफ'
श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री प्रेम शंकर चौबीसा, वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेलः sioraj@nic.in
वेबसाइटः https://raj.nic.in

एनआईसी अधिकारियों का राजस्थान में स्थानांतरण पर स्वागत है

श्री माला राम
एसटीए-'बी'
एनआईसी- उदयपुर (जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 12.08.2024

श्री योगेश कुमार सैनी
वैज्ञानिक – 'बी'
एनआईसी- जयपुर (एनआईसी राज्य केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 27.08.2024

श्री गिरधारी लाल हुडडा
वैज्ञानिक अधिकारी
एनआईसी- चूरू (जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 13.09.2024

श्री अजय सिंह
एसटीए-'बी'
एनआईसी- धौलपुर (जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 17.09.2024

श्री महावीर प्रसाद मालव
वैज्ञानिक – 'सी'
एनआईसी- जयपुर (एनआईसी राज्य केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 23.09.2024

श्री संदीप कुमार धवल
वैज्ञानिक – 'सी'
एनआईसी- जयपुर (एनआईसी राज्य केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 07.10.2024

श्री सुनील कुमार मीना
वैज्ञानिक – 'सी'
एनआईसी- जयपुर (एनआईसी राज्य केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 21.10.2024

श्री रोहित सैनी
एसटीए-'बी' एनआईसी- नागौर (जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 18.11.2024

श्री मुकेश कुमार
वैज्ञानिक – 'सी'
एनआईसी- जयपुर (एनआईसी राज्य केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 02.12.2024

श्री हिमांशु शर्मा
वैज्ञानिक – 'बी'
एनआईसी- जयपुर (एनआईसी राज्य केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 23.12.2024

सेवानिवृति...

श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह (वैज्ञानिक-'ई')

- जन्म तिथि: 26/12/1964
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 04/10/1988
- सेवानिवृत्ति की तिथि: 31/12/2024
- पदस्थापन स्थान: एनआईसी धौलपुर/करौली
- शिक्षा: पीजीडीसीए और एमएससी आईटी।
- पद पर नियुक्त: वैज्ञानिक सहायक 'ए'/डीआईए
- सेवानिवृत्ति: एनआईसी जिला केंद्र करौली
- पुरस्कार: कई जिला स्तरीय प्रशंसाएँ

राजस्थान से स्थानांतरित

श्री दिलीप गोयल
(वैज्ञानिक-एफ)
एनआईसी राज्य केंद्र जयपुर से एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली

श्री अमित माथुर
(वैज्ञानिक-ई)
एनआईसी राज्य केंद्र जयपुर से एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली